10th Year OF CIMS

Price ₹ 5/-

हृदय और धड़कन

वर्ष-11, अंक-122, फरवरी 20, 2020

कार्डियोलॉजिस्ट

डॉ. सत्य गुप्ता	+91-99250 45780	डॉ. मिलन चग	+91-98240 22107
डॉ. विनीत सांखला	+91-99250 15056	डॉ. उर्मिल शाह	+91-98250 66939
डॉ. विपुल कपूर	+91-98240 99848	डॉ. हेमांग बक्षी	+91-98250 30111
डॉ. तेजस वी. पटेल	+91-89403 05130	डॉ. अनिश चंदाराणा	+91-98250 96922
डॉ. गुणवंत पटेल	+91-98240 61266	डॉ. अजय नाईक	+91-98250 82666
डॉ. केयूर परीख	+91-98250 66664		

पिडियाट्रिक कार्डियोलॉजीस्ट

डॉ. कश्यप शेठ	+91-99246 12288	डॉ. मिलन चग	+91-98240 22107
		डॉ. दिव्येश सादडीवाला	+91-82383 39980

कार्डियाक सर्जन

डॉ. धीरेन शाह	+91-98255 75933
डॉ. धवल नायक	+91-90991 11133
डॉ. अमित चंदन	+91-96990 84097

पिडियाट्रिक और स्ट्रकचरल हार्ट सर्जन

डॉ. शौनक शाह	+91-98250 44502

कार्डियोवास्क्युलर, थोरासीक और थोराकोस्कोपीक सर्जन

डॉ. प्रणव मोदी	+91-99240 84700

कार्डियाक एनेस्थेटिस्ट

डॉ. निरेन भावसार	+91-98795 71917
डॉ. हिरेन धोलकिया	+91-95863 75818
डॉ. चिंतन शेठ	+91-91732 04454

कार्डियाक इलेक्ट्रोफिजियोलोजीस्ट

डॉ. अजय नाईक	+91-98250 82666
डॉ. विनीत सांखला	+91-99250 15056

निओनेटोलोजीस्ट और पीडियाट्रीक इन्टेन्सीवीस्ट

डॉ. अमित चितलीया	+91-90999 87400

JCI NABH NABH ER ACC International Centers Of Excellence

CIMS®
CARE INSTITUTE OF MEDICAL SCIENCES
Earning Trust with World-Class Practices

कोरोनरी एन्जियोग्राफी

हृदय की धमनियों में एथेरोस्क्लेरोसिस के कारण अवरोध आ जाता है। इस अवरोध के कारण हृदय को पूरा रक्त नहीं मिलता है जिससे उसको पूरा पोषण और प्राणवायु नहीं मिलता है और एन्जायना पेक्टोरिस या हार्ट अटैक हो सकता है। इसलिए कोरोनरी धमनी में रुकावट कहां है ये ढूंढना और ऐसी बंद धमनियों को खोलना ये 'कार्डियोलोजिस्ट' का मुख्य लक्ष्य होता है।

हृदय की यह जांच कार्डियाक केथेटराइजेशन से होती है। इस कार्यपद्धति के द्वारा हृदय की रक्तवाहिनियां चौड़ी है या नहीं ये जांच की जाती है। ऐसा करते समय हृदयरोग विशेषज्ञ हृदय के अंदर के दबाव को नापते हैं। एक्स रे किरणों के लिए अपारदर्शक दवा (डाई-Dye) इन्जेक्शन के द्वारा हृदय में डाली जाती है। एक्स रे द्वारा हृदय को रक्त पहुंचाती धमनियों की चलचित्र जैसी तस्वीर लेते हैं और हृदय कितनी ज्यादा या कम क्षमता से धड़कता है तथा रक्त वाहिनियों में रुकावट है कि नहीं उसका मूल्यांकन करते है। इसके अलावा कई जन्मजात कमियों के लिए, वाल्व की तकलीफों के लिए तथा कमजोर हृदय के लिए भी कार्डियाक केथेटराइजेशन किया जाता है ।

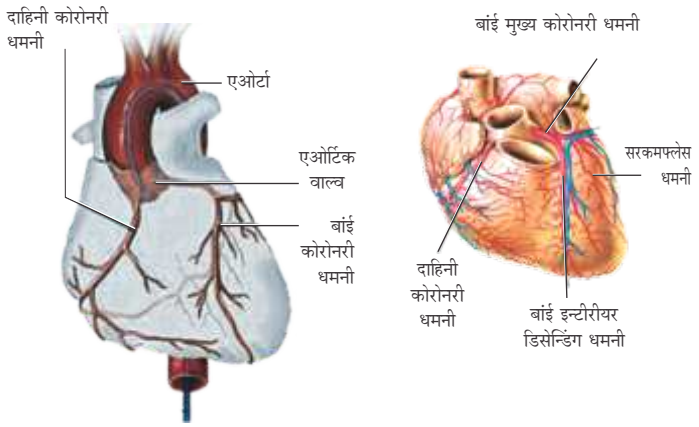

रेडियल आर्टरी (कलाई की / हाथ की धमनी) एन्जियोग्राफी और एन्जियोप्लास्टी

25 साल में दिशाए बदल गई । आज भी हम जब 2012 में प्रवेश कर रहे है तब कोरोनरी एन्जियोग्रॉफी में डॉक्टरो के अंगत द्रष्टिकोण मुताबिक 25 साल पहले यानि की 1985 में जब जांध (फेमारेल) की पद्धति का उपयोग करने की तालीम ली उस समय रेडियल (हाथ की धमनी द्वारा) पध्धति का उपयोग नही होता था । 1980 की साल के अंत के भाग में फ्रेन्च-केनेडियन फिजिशियन डॉ. लुसीन केम्पीउ ने राइट रेडियल आर्टरी का उपयोग डायोग्नोस्टिक केथेराइजेशन के लिये किया था और 1992 तक डॉ. क्रिमेनिइ और उसके साथीओ ने रेडियल आर्टरी के उपयोग - इन्टरवेन्शनल पद्धति जैसे कि डिलिवरिंग बलुन्स एन्ड स्ट्रेन्टस के लिये किये जाने वाले रास्ते की जाँच की थी । डॉक्टर के अनुभव की बात करे तो सीम्स अस्पताल के हमारे साथीओने 2000 के साल से रेडियल की ओर का रास्ता अपनाया और 2011 तक 25,000 से भी ज्याद रेडियल प्रोसिजर्स की है । यह भारत में सबसे बडी संख्या में से एक गिनी जाती है । हम महीने में 500 से उपर रेडियल आर्टरी (हाथकी) धमनी से प्रक्रिया करते है । इसके अनुसंधान में इन्डियन हार्ट जर्नल और गुजरात मेडिकल जर्नल में लेख लिखे गए है ।

सामान्य डॉक्टर व विशेषज्ञ के बीच अंतर

जनरल फिज़िशियन, इन्वेज़िव कार्डियोलोजिस्ट और इन्टरवेन्शनल कार्डियोलोजिस्ट (General Physician, Invasive Cardiologist अथवा Interventional Cardiologist) क्या हैं?

इसके बारे में अब हम कुछ जानते है :- जो हृदयरोग विशेषज्ञ केवल एन्जियोग्राफी व एन्जियोप्लास्टी जैसे काम करते हैं उनको Invasive or Interventional Cardiologist कहा जाता है। जो हृदयरोग विशेषज्ञ इस प्रकार की प्रक्रिया नहीं करते हैं, केवल रोगो का निदान करते हैं उन्हे जनरल फिजिशियन या नॉन- इन्वेज़िव कार्डियोलोजिस्ट (Non-Invasive Cardiologist) कहा जाता है।

जो हृदयरोग विशेषज्ञ शल्यक्रिया द्वारा इलाज करते हैं उन्हें कार्डियक सर्जन (Cardiac Surgeon) कहते हैं।

JCI NABH NABH ER ACC International Centers Of Excellence

CIMS CARE INSTITUTE OF MEDICAL SCIENCES
Earning Trust with World-Class Practices

कैथ प्रयोगशाला अथवा कैथ लेब

कार्डियाक कैथेटराइजेशन लेबोरेटरी (कैथ लेब) के नाम से पहचाने जाने वाले एक खास कमरे में कार्डियाक कैथेटराइजेशन किया जाता है। उस कमरे के अंदर एक्स रे मशीन और कैमरे वाली एक टेबल होती है। इस टेबल पर रोगी को सुलाया जाता है। उसके चारों तरफ एक्स रे और कैमरा गोल गोल घुमाया जा सके ऐसी व्यवस्था होती है।

हाथ की धमनी से हृदय में केथेटर डाल कर उसके द्वारा एक्स रे में भी दिखे वैसी दवा अथवा डाइ इन्जेक्शन द्वारा हृदय की धमनी में डाल कर जब हृदय धड़के तब साथ वाला कैमरा हृदय की धमनियों की फोटो लेकर उसे सी.डी. पर उतारता है।

प्लम्बिंग

प्लम्बिंग का मतलब है मकान में नलों का काम और प्लम्बर मतलब प्लम्बिंग करने वाला कारीगर। जिस तरह पानी के नलों के अन्दर खार जम जाता है, और वे बंद हो जाते हैं, उसी तरह हृदय की कोरोनरी धमनियों में भी अंदर की तह जम जाती है और वह संकरी हो जाती हैं, या बंद भी हो सकती है। इसे एथरोस्कलेरोसिस कहते हैं।

हृदय के प्लम्बर, अर्थात् हृदय की बंद धमनियों को खोलने वाले कार्डियोलोजिस्ट हृदय की प्लम्बिंग की कमियों को यानि की हृदय की धमनियों के अन्दर रुकावटों को ढूंढते हैं।

हृदय की धमनियां

हमने देखा कि रक्त हृदय की धमनियों के अंदर से प्रवाहित होता है। फिर भी हृदय अपना पोषण और ऑक्सीजन हृदय की धमनियों (कोरोनरी आर्टरीज़) नाम की खास धमनियों में से ही लेता है।

हृदय की दो मुख्य धमनियां होती हैं, हृदय की बांई धमनी और हृदय की दांई धमनी (Left Coronary Artery, LCA and Right Coronary Artery, RCA) दोनों का उद्भव स्थल है महाधमनी, यानि कि अपने शरीर की मुख्य धमनी (Aorta)। हृदय की बांई धमनी को बांई मुख्य धमनी (Left Main) भी कहा जाता है, इसके दो भाग पड़ते हैं, बांई तरफ से नीचे की तरफ जाती हुई धमनी (लेफ्ट एन्टिरियर डिसेन्डिंग आर्टरी, एल.ए.डी. LAD) और बांई सर्कमफ्लेक्स धमनी (एल.सी.एक्स., LCX)। हृदय के दांई ओर नीचे की ओर रक्त प्रवहन करती धमनी को (आर.सी.ए., RCA) कहते हैं इस प्रकार हृदय की कुल तीन धमनियां हैं।

डॉक्टर मरीज को ऐसी दवा लिखते हैं जिसकी उनको कम जानकारी हो। यह दवा ऐसे रोग के लिए लिखते हैं जिसके बारे में उन्हें बहुत कम जानकारी हो, और ऐसे व्यक्ति के लिए लिखते हैं जिनके बारे में वे बिल्कुल नहीं जानते।

९० प्रतिशत बंद धमनी

सामान्य रूप से अवरोध इन तीन धमनियों में होता है। यह अवरोध परक्यूटेनियस ट्रान्स-ल्युमिनल कोरोनरी एन्जियोप्लास्टी यानि कि पी.टी.सी.ए. (Percutaneous Transluminal Coronary Angioplasty or PTCA) द्वारा खोल देते हैं, या कोरोनरी आर्टरी बायपास ग्राफ्ट (Coronary Artery Bypass Graft or CABG) के द्वारा बाय पास किया जाता है, अर्थात् रक्त के लिए नई नलियां डाली जाती हैं। कई बार दवाईओं से भी इलाज होता है।

कार्डियाक केथेटराइजेशन किस प्रकार किया जाता है?

कार्डियाक केथेटराइजेशन आउटडोर पेशेंट व इनडोर पेशेंट पर हो सकता है आउट डोर पेशेंट यानि कि रोगी सवेरे अस्पताल में आए, और सामान्यतया केथेटराईजेशन पूरा होने पर कुछ घंटे आराम करके वापस चला जाए। अगर मरीज की तबियत अच्छी न हो तो ही उसे भर्ती करने की आवश्यकता पड़ती है।

केथेटराइजेशन के ६ से ८ घंटे पहले से मरीज को कुछ भी नहीं खाना चाहिए। उसके हाथ के भाग की हजामत कर साफ किया जाता है। जब मरीज खास केथ लेब टेबल पर आ जाता है तब उसे हल्की बेहोशी की दवा दी जाती है, जिससे उसे आराम रहे, हाथ में सुन्न करने की दवा (Local Anaesthesia) लगाई जाती है जिससे केथेटर डालते समय मरीज को दर्द न हो, दो मि.मि. चौड़ी स्ट्रॉ जैसी एक संकरी नली हाथ की धमनी में डाली जाती है। केथेटर इस नली के अंदर से प्रसार कर हाथ में व इसके बाद महाधमनी के अंदर से हृदय तक पहुंचाया जाता है।

शुरुआत में विशिष्ट प्रकार के केथेटर को बांई मुख्य धमनी अथवा हृदय की दांई धमनी में से प्रसार किया जाता है। एक्स रे के द्वारा चित्र लिए जाते हैं। कैमरे के द्वारा मरीज के आस-पास गोल गोल घुमाकर हृदय की धमनियों को अलग - अलग कोणों से देखा जाता है और इन दृश्यों को सी.डी. के ऊपर अंकित किया जाता है।

स्वर्ग में प्रवेश के लिए एक डॉक्टर, एक इंजीनियर, व एक वकील खड़े थे। भगवान ने कहा 'एक ही जगह खाली है और वह जगह सबसे पुराने व्यवसाय वाले व्यक्ति को मिलेगी।'

'सबसे पुराना व्यवसाय तो मेरा है' डॉक्टर बोला 'जब प्रभू ने आदम में से ईव बनाई यह एक ऑपरेशन का उदाहरण है। इसलिए काट-पीट ही सबसे पुराना व्यवसाय हुआ।'

'ना..., ना... पहले मेरी बात सुनो।' इंजीनियर बोला, 'आदम और ईव बनाने के पहले प्रभू ने आकाश में बहती धूल और अस्त-व्यस्त वस्तुओं में से पृथ्वी और तारों को बनाया, इसलिए मेरा व्यवसाय सबसे पुराना हुआ।'

'अरे भाई आकाश में बहती धूल और अस्त व्यस्त वस्तुएं वहां पर रखी किसने?' वकील ने पूछा।

हाथ की धमनी (रेडियल आर्टरी) में से एन्जियोग्राफी करने के बाद मरीज आराम से बेठ और चल सकता है ।

किरणों के कारण अपारदर्शक दवा (डाई-dye) हृदय की धमनियों और उनकी शाखाओं में जाती हुई दे खी जा सकती है। हृदय की अन्य धमनियों की भी इसी तरह तस्वीरें ली जाती हैं। इस संपूर्ण प्रक्रिया में सामान्यतया १ मिनट का समय लगता है।

कैथटराइजेशन के पश्चात्

जब हृदयरोग विशेषज्ञ निदान के बारे में पूर्ण संतुष्ट हो जाते हैं तब केथेटर व उसके साथ वाली नली निकाल दी जाती है। हाथ के छेद को बंद करने के लिए नर्स हाथ को दबाती है,और उस पर साधारण ड्रेसिंग कर दी जाती है।

मरीज को कुछ घंटो के लिए पीठ के बल सीधा सोना जरूरी है। पर उसके बाद मरीज तुरंत चल सकता है। हाथ में की हुई केथेटराइजेशन के बाद मरीज कुछ समय में ही चल

मिसेज शाहने अपने बच्चे का इलाज करवाया लेकिन डाक्टर साहब का बिल देखकर भडक गई। डाक्टर साहब पर ठर्राकर बरसी, 'आप इतना अधिक कैसे वसूल रहे है? मेरे बच्चे को तो मामूली फ्ल्यू वायरल बुखार ही हुआ था।'

डाक्टर साहबने कहा, 'मैडम! मैंने करीब १०-१२ बार आपके बच्चे का परिक्षण किया हैं, मैं आपके घर पर भी दो बार विज़िट पर आया था।'

मिसेज शाहने तत्परता से कहा, 'लेकिन डाक्टर साहब, आप यह भूल रहे हैं कि मेरे मोन्टूने अपने फ्ल्यू के चेप को पुरी स्कूल में फैलाया था। क्या आपको याद हैं मोन्टू के बाद आपको कितने और मरीज़ मीले?'

JCI NABH NABH ER ACC International Centers Of Excellence

CIMS®
CARE INSTITUTE OF MEDICAL SCIENCES
Earning Trust with World-Class Practices

सकता है।

सुरक्षा और खतरा

कार्डियाक केथेटराइज़ेशन वास्तव में सुरक्षित होता है पर फिर भी उसमें रक्तस्राव ब्लीडिंग, छूत से अथवा एक्स-रे में दिखे ऐसी दवा के कारण ऐलर्जी आदि जैसी तकलीफों का थोड़ा -सा खतरा (१००० में से १ किस्सा) रहता है। हृदयरोग का हमला, बेहोशी अथवा मृत्यु जैसी गंभीर समस्याओं के उत्पन्न होने की संभावना काफी कम होती है। लगभग २०००में से एक रोगी को ही हो सकती है,खासकर उनको जिनके हृदय में पहले से ही तकलीफ हो।

सौजन्य : हृदय की बात दिलसे - लेखक : डॉ. केयूर परीख

10th Year of CIMS

सीम्स कार्डियाक सायन्स

स्त्रीओ एवं हृदय रोग

क्या आपने हृदय की जाँच करवाई है ?

आपके स्वास्थ्य की आप खुद देखभाल करे

हर साल जरुरी जाँच करवाये

लक्षण को नजरअंदाज ना करे

आपके हृदय के स्वस्थ्य बारे जरुरी सवाल पूछे

हार्ट अटेक के लक्षण

हाथ, गरदन या पीठमें दर्द

छाती में दर्द

साँस लेने में दिक्कत

उलटी या जी मिचलाना

चक्कर आना या सिरदर्द

अन्य लक्षण : ठंडे मौसम में पसीना होना, असामान्य थकान लगना, नींद में तकलीफ होनी

CIMS® CARE INSTITUTE OF MEDICAL SCIENCES
Earning Trust with World-Class Practices

JCI NABH NABH ER ACC International Centers Of Excellence

सीम्स कार्डियोलोजी

नवपरिवर्तन.... हमारी विशेषता

10th Year of CIMS

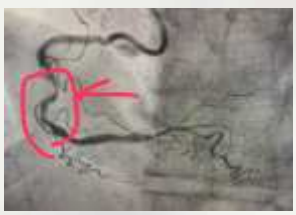

Calcified long lesion

Intravascular Lithotripsy Shockwave Balloon

Highly Calcific Artery

Stent being placed

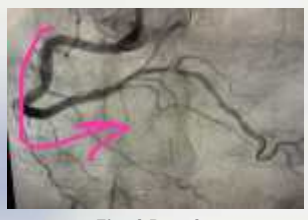

Final Results

1ST IN INDIA

3 लगातार ट्रान्सरेडियल इन्ट्रा-वास्क्युलर लिथोट्रीप्सी (शोकवेव IVL)

नई टेक्नोलोजी ट्रान्स रेडियल ईन्ट्रावास्क्युलर लिथोट्रीप्सी (शोकवेव आईवीएल) से अत्यंत ब्लोक केल्सिफाईड कोरोनरी धमनियों की सफलतापूर्वक उपचार

सीम्स अस्पताल - मेडिकल टीम में नये डॉक्टर शामिल ।

डॉ. आनंद खखर

लीवर ट्रान्सप्लान्ट, अेच.पी.बी. सर्जन

MS, DNB, Fellow ASTS
Program Director & Sr. Consultant,
Centre for Liver Disease & Transplantation
लीवर ट्रान्सप्लान्ट एवं हिपेटोबिलीयरी सर्जन
Dr. B.C. Roy Awardee
Helpline : +91-98707 66626
anand.khakhar@cimshospital.org

डॉ. प्रदीप डाभी

MBBS, MD, DNB(Pulmonary Medicine),
Post - Doctoral Fellowship(Pulmonary Medicine)
ईन्टरवेन्शनल पल्मोनोलोजीस्ट एवं
क्रिटीकल केर स्पेश्यालीस्ट
M: +91 8680016492
pradip.dabhi@cimshospital.org

डॉ. पार्थ नाथवाणी

MBBS, MS, Mch(Urology),
कन्सलटन्ट युरो सर्जन
M: +91 8652374289
parth.nathwani@cimshospital.org

डॉ. मिनेष पटेल

MBBS, MD(Pulmonary Medicine - Gold Medalist),IDCCM,
DAA(Diploma in Allergy & Asthma)
कन्सलटन्ट ईन्टेन्सिवीस्ट एवं
पल्मोनोलोजीस्ट
M: +91-9879119764
patel.minesh@cimshospital.org

अपोईन्टमेन्ट के लिए संपर्क करे : **+91 98250 66661, +91-79-4805 1008**

JCI NABH NABH ER ACC International Centers Of Excellence

CIMS® CARE INSTITUTE OF MEDICAL SCIENCES
Earning Trust with World-Class Practices

सीम्स अस्पताल, अहमदाबाद

आपके गंभीर क्षण में.....
हरपल आपके साथ....

सीम्स क्रिटीकल केयर

24 X 7 / 365 दिन

24 X 7 हेल्पलाईन +91 70 69 00 00 00

10th Year of CIMS

सीम्स अस्पताल

JCI (USA)

हृदय

लीवर

एक ही स्थान पर
सब ट्रान्सप्लान्ट

गुजरात का
एक मात्र अस्पताल

लंग
(लायसन्स)

किडनी

बोन मेरो

CIMS®
CARE INSTITUTE OF MEDICAL SCIENCES
Earning Trust with World-Class Practices

JCI NABH NABH ER ACC International Centers Of Excellence

"Hriday Aur Dhadkan" Registered under RNI No. GUJHIN/2009/28021
Published 20th of every month
Permitted to post at PSO, Ahmedabad-380002 on the 26th to 30th of every month under
Postal Registration No. GAMC-1730/2019-2021 issued by SSP Ahmedabad valid upto 31st December, 2021
Licence to Post Without Prepayment No. PMG/HQ/088/2019-21 valid upto 31st December, 2021

If undelivered Please Return to :

CIMS Hospital, Nr. Shukan Mall,

Off Science City Road, Sola, Ahmedabad-380060.

Ph. : +91-79-2772 2771-75

Fax: +91-79-2771 2770

Mobile : +91-98250 66664, 98250 66668

"हृदय और धड़कन" का अंक प्राप्त करने के लिये : अगर आपको "हृदय और धड़कन" का अंक चाहिए तो इसका मूल्य ₹ 60 (12 अंक) है । इसको प्राप्त करने के लिये केश या चेक/डीडी सीम्स होस्पिटल प्रा. ली. के नाम से और आपका नाम और पुरे पते के साथ हमारी ओफिस हृदय और धड़कन डिपार्टमेन्ट, सीम्स अस्पताल, शुकन मॉल के पास, ऑफ सायन्स सिटी रोड, सोला, अहमदाबाद - 380060 पर भेज दे । फोन नं. : +91-79-4805 1059/1060

हृदय और धड़कन अब आपके ई-मेल में

नवीनत्तम समाचार और विशेष प्रस्तावों पर अपडेट प्राप्त करने के लिए,

हमारे न्यूज़लेटर को सबस्क्राईब करने के लिए

मेसेज करे +91-9099066538

या

आपका नाम, ईमेल और फोन नबंर

हमारे ईमेल **communication@cimshospital.org** पर भेजें

CIMS Hospital Pvt. Ltd. | CIN : U85110GJ2001PTC039962 | info@cims.org | www.cims.org

मुद्रक, प्रकाशक और संपादक डॉ. हेमांग बक्षी ने सीम्स अस्पताल की ओर से
हरिओम प्रिन्टरी, 15/1, नागोरी एस्टेट, ई.एस.आई डिस्पेन्सरी, दुधेश्वर रोड, अहमदाबाद-380004 से मुद्रित किया और
सीम्स अस्पताल, शुकन मॉल के पास, ऑफ सायन्स सिटी रोड, सोला, अहमदाबाद-380060 से प्रकाशित किया।

JCI NABH NABH ER ACC International Centers Of Excellence

CIMS® CARE INSTITUTE OF MEDICAL SCIENCES
Earning Trust with World-Class Practices